



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



स. 31]

१६। इल्ली, शनिवार, जनवरी 16, 1988/पौष 26, 1909

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 16, 1988/PAUSA 26, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आधिकारिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1988

श्रद्धालुवाना

मा.का.नि 39(अ) ---केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत वैक अधिनियम, 1873 (1873 का 5) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, डाकधर आवर्ती जमा नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित बनाती हैं, अर्थात् ---

1 (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम डाकधर आवर्ती जमा (प्रथम संशोधन) नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र से प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 डाकधर आवर्ती जमा नियम, 1981 में, ---

(i) नियम 9 में, दोनों शब्दों श्रनुसूचियों में, अनिम शब्द अर्थात् ---

“1-4-1987 से आगे 797 10” के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:---

“1-4-1987 से आगे 800 30”

(ii) नियम 10 में, उपनियम (1) में, “सारणी 1,2,

11 या 13” शब्दों और अको के स्थान पर जहा कही वे आते हैं, “सारणी 1,2,11,13 या 17” शब्द और अक रखे जायेगे,

(iii) नियम 11 में, उपनियम (2) में, “सारणी 3,4, 12 या 14” शब्दों और अको के स्थान पर, जहा कही वे आते हैं, “सारणी 3,4,12,14 या 18” शब्द और अक रखे जायेगे,

(iv) सारणी 13 और 14 में, “1 मार्च, 1983 को या उसके पश्चात्” अको और शब्दों के स्थान पर जहा कही वे आते हैं “1 मार्च, 1983 को या उसके पश्चात् किन्तु 1 अप्रैल, 1987 से पूर्व” अक और शब्द रखे जायेगे;

(v) सारणी 16 के पश्चात् निम्नलिखित सारणी अन्तर्धान की जाएगी, अर्थात्:—

“सारणी 17

(नियम 10 देखिए)

1 अप्रैल 1987 को या उसके पश्चात् खोले गए और भागिक नियमों में साथ परिपालना अवधि या नियम 7

के उपनियम (1) के अधीन यथा बढ़ाई गई परिपक्वता अवधि ने आगे चालू रखे गए खाते पर संदेय व्याज सहित रकम।

संपूरित वर्षों की संख्या, जिनके लिए खाता चालू रखा जाता है 10 रु. के मूल्य के खाते पर प्रति संदेय रकम (रु.)

एक वर्ष	1019.30
दो वर्ष	1263.50
तीन वर्ष	1635.70
चार वर्ष	1839.00
पांच वर्ष	2177.10

टिप्पण : किसी अन्य मूल्यवर्ग के खाते पर प्रतिसंदेय रकम ऊपर विनिर्दिष्ट रकम के अनुपात से होगी।

सारणी—18

(नियम 11 देखिए)

1 अप्रैल, 1987 को या उसके पश्चात स्वोले गए और किन्हीं नए मासिक निक्षेपों के बिना, परिपक्वता अवधि को या नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन यथा बढ़ाई गई परिपक्वता अवधि से आगे चालू रखे गए खाते पर प्रतिसंदेय व्याज सहित रकम।

संपूरित वर्षों की संख्या, जिनके लिए खाता चालू रखा जाता है 10 रु. के मूल्यवर्ग के खाते पर प्रतिसंदेय रकम (रु.)

एक वर्ष	892.00
दो वर्ष	994.30
तीन वर्ष	1108.20
चार वर्ष	1235.30
पांच वर्ष	1376.80

टिप्पण : किसी अन्य मूल्यवर्ग के खाते पर संदेय रकम ऊपर विनिर्दिष्ट रकम के अनुपात से होगी।

[सं.एफ. 2/4/87-एन.ए.प.

के.एम. शास्त्री, अपर सचिव

टिप्पण : मूल नियम सा.का.नि.सं. 666(अ), तारीख 17 दिसम्बर, 1981 द्वारा प्रकाशित किये गए थे। पश्चात्कर्ता संशोधन सा.का.नि.सं. 301(अ), तारीख 1-4-1982, सा.का.नि.सं. 258(अ), तारीख 11-3-1983, सा.का.नि.सं. 62(अ), तारीख 14-2-1984, सा.का.नि.सं. 95(अ), तारीख 7-2-1986 और सा.का.नि.सं. 363(अ), तारीख 1-4-1987 द्वारा जारी किये गए थे।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 16th January, 1988

### NOTIFICATION

G.S.R. 39(E).—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Government Savings Banks Act, 1873 (5 of 1873), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Post Office Recurring Deposit Rules, 1981, namely :—

1. (1) These rules may be called the Post Office Recurring Deposit (Second Amendment) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Post Office Recurring Deposit Rules, 1981;
  - (i) in rule 9, in both the schedules, for the last item, namely, “From 1-4-1987 onwards—797-10”, the following shall be substituted :— “From 1-4-1987 onwards—800.39”;
  - (ii) in rule 10, in sub-rule (2), for the words and figures “Table 1, 2, 11 or 13” wherever they occur, the words and figures “Table 1, 2, 11, 13, or 17” shall be substituted;
  - (iii) in rule 11, in sub-rule (2), for the words and figures “Table 3, 4, 12, or 14”, wherever they occur the words and figures “Table 3, 4, 12, 14 or 18” shall be substituted;
  - (iv) in Tables 13 and 14, for the words and figures on or after 1st March, 1983, wherever they occur, the words and figures “on or after 1st March, 1983 but before 1st April, 1987” shall be substituted.
  - (v) after Table 16, the following Tables shall be inserted, namely :—

“Table 17

(See rule 10)

Amount, inclusive of interest, payable on an account opened on or after 1st April, 1987 and continued, with monthly deposits, beyond the maturity period or maturity period as extended under sub-rule(1) of rule 7.

Number of completed years for which the account is continued	Amount (Rs.) payable on an account of Rs. 10 denomination
One year	1019.30
Two years	1263.50
Three years	1535.70
Four years	1839.00
Five years	2177.10

Note : The amount repayable on an account of any other denomination shall be proportionate to the amount specified above.

Table 18  
(See rule 11)

Amount, inclusive of interest, repayable on an account opened on or after 1st April, 1987 and continued, without any fresh monthly deposits, beyond the maturity period or maturity period as extended under sub-rule (1) of rule 7.

Number of completed years for which the account is continued	Amount (Rs.) repayable on an account of Rs. 10 denomination
One year	892.00
Two years	994.30
Three years	1108.20
Four years	1235.30
Five years	1376.80

Note :—The amount payable on an account of any other denomination shall be proportionate to the amount specified above."

[No. F. 2/4/87-NS]

K. S. SASTRY Addl. Secy.

Note :—The principal rules were published vide G.S.R. No. 666(E) dated 17th December, 1981. Subsequent amendments were issued vide G.S.R. No. 301(E) dated 1-4-1982, G.S.R. No. 258(E) dated 11-3-1983, G. S. R. No. 62(E) dated 14-2-1984, G.S.R. No. 95(E) dated 7-2-1986 and G. S. R. No. 363(E) dated 1-4-1987.

